एकीकृत कीट प्रबंधन का प्रयोग से लागत को घटायें !

विषय: खरीफ फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन का प्रयोग कर कृषि लागत को कम करना ।

खरीफ फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन (IPM) का प्रभावी प्रयोग करने तथा कृषि लागत को कम करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के दौरान बताया गया कि खरीफ मौसम में फसलों में विभिन्न प्रकार के कीट एवं रोग लगने की संभावना रहती है, जिसके कारण उत्पादन एवं फसल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ऐसी स्थिति में किसानों द्वारा बिना आवश्यकता के बार-बार कीटनाशकों का प्रयोग करने के बजाय एकीकृत कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों को अपनाना अधिक लाभकारी हो सकता है।

एकीकृत कीट प्रबंधन के अंतर्गत खेत की नियमित निगरानी, कीटों की पहचान, जैविक नियंत्रण, यांत्रिक एवं भौतिक नियंत्रण तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित मात्रा में रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग पर जोर दिया गया साथ ही, फसल में कीटों की वास्तविक स्थिति के आधार पर ही कीटनाशकों का प्रयोग करने की सलाह दी गई, जिससे अनावश्यक खर्च को कम किया जा सके।

चर्चा में यह भी बताया गया कि एकीकृत कीट प्रबंधन अपनाने से कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग में कमी आएगी, जिससे किसानों की उत्पादन लागत कम होने के साथ-साथ पर्यावरण एवं लाभकारी कीटों का संरक्षण भी संभव होगा। इसके माध्यम से कम लागत में बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने की दिशा में किसानों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। खरीफ फसलों में इस तकनीक को अपनाकर कृषि को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।